समाजशास्त्र और इतिहास
(Sociology and History)

इतिहास मानव समाज के अतीत की घटनाओं का क्रमबद्ध अध्ययन करनेवाला विज्ञान है। बुल्फ :— "इतिहास विशेष राष्ट्रों, संस्थाओं, स्रोतों और आविष्कारों से संबंधित है।"

समाजशास्त्र समाज का एक व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध अध्ययन करने वाला विज्ञान है। कहने का तात्पर्य है कि इतिहास और समाजशास्त्र दोनों मानव समाज का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। इसे निम्नलिखित रूप से समझ सकते हैं :—

(1) अतीत की घटनाओं का क्रमबद्ध अध्ययन ही इतिहास है। इस रूप में यह अतीत के समाज की सम्पूर्ण विशेषताओं को उजागर करता है। समाजशास्त्र वर्तमान सामाजिक घटनाओं का क्रमबद्ध अध्ययन है। इस रूप में यह वर्तमान समाज की सम्पूर्ण विशेषताओं को उजागर करता है। वास्तविकता यह है कि अतीत सिर्फ अतीत नहीं है, यह वर्तमान को समझने का आधार है इसलिए ऐसा कहा गया है कि इतिहास सामाजिक घटनाओं का विवेचन अतीत के आधार पर करता है।

(2) इतिहास और समाजशास्त्र दोनों विज्ञानों में 'कार्य-कारण' के माध्यम से विभिन्न घटनाओं का विवेचन किया जाता है। पूर्व में इतिहास को एक लेखा-जोखा माना जाता रहा है, जो राजा-महाराजाओं, प्रमुख तारीखों एवं युद्धों की जानकारी से भरा होता। आज इतिहास केवल इसका वर्णन नहीं करता कि — किसी घटना का रूप क्या था बल्कि यह स्पष्ट करता है कि कोई विशेष घटना 'क्यों और कैसे' घटित हुई। इस प्रकार इतिहास 'कार्य कारण संबंध' के आधार पर घटनाओं का विवेचन करता है। इस रूप में इतिहास की प्रकृति समाजशास्त्र के समान प्रतीत होती है। फलस्वरूप दोनों एक-दूसरे के समीप आते जा रहे हैं।

(3) समाजशास्त्र और इतिहास दोनों ही विज्ञानों में सभ्यता, संस्कृति, संघर्ष, क्रान्ति एवं युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण

विषयों का अध्ययन किया जाता है। आधुनिक सभ्यता या संस्कृति की प्रकृति की बात समाजशास्त्र में की जाती है लेकिन जब सभ्यता का उद्विकास या संस्कृति के उद्विकास की बात उठती है तो हमें इतिहास का सहारा लेना पड़ता है इस रूप में ये दोनों विज्ञान एक दूसरे के मददगार होते है।

④ समाजशास्त्र में सामाजिक घटनाओं के विवेचन में ऐतिहासिक पद्धति या उपागम का महत्व बढ़ता जा रहा है। समाजशास्त्र की यह पद्धति यह मानती है कि वर्तमान, अतीत और भविष्य के विभिन्न समाजों के जन्म, उत्थान व पतन की कहानी केवल ऐतिहासिक तथ्यों द्वारा जानी जा सकती है। इतिहास के अध्ययन से हमें ज्ञात होता है कि किन कारकों और शक्तियों ने विभिन्न सभ्यताओं को आगे बढ़ाया या और कौन से कारक तथा शक्तियों के आधार पर सामाजिक परिवर्तन की दिशाएँ ज्ञात होती है और भविष्य के लिए सही मार्ग तय कर पाते है। इस रूप में समाजशास्त्र इतिहास से जुड़ा है।

⑤ इतिहास और समाजशास्त्र इस रूप में एक दूसरे के पूरक है कि इतिहास तथ्य प्रदान करता है और समाजशास्त्र उसका विश्लेषण प्रस्तुत करता है। दूसरी ओर समाजशास्त्र इतिहास के अध्ययन हेतु सामाजिक पृष्ठभूमि प्रदान करता है। सामाजिक पृष्ठभूमि को समझे बिना इतिहास का अध्ययन सार्थक नहीं हो सकता।